13

ब्लैक बेल्ट

पाठ-प्रवेश

कई बार हम मेडल या पुरस्कार प्राप्त करने की होड़ में लगे रहते हैं, पर उसका सही मतलब नहीं समझ पाते। सम्मान पाने से कहीं अधिक महत्वपूर्ण होता है, उस सम्मान को बरकरार रखना। इसलिए अपनी उपलब्धि के मुताबिक मेहनत करें और प्रतिष्ठा बनाएँ। इस पाठ में भी मेहनत करने के महत्व के विषय में बताया गया है।

पाठ-अभ्यास के उत्तर

बात पाठ की

मुख से

(क) सक्षम और संस्कार जूडो मास्टर से यह जानना चाहते थे कि मार्शल आर्ट विज्ञान है या कला?

(ख) जूडो में चूँकि एक-दूसरे के साथ प्रतिद्वंद्विता होती है, इसलिए झगड़े की बात पर संस्कार ने मास्टर सुब्रतो से यह बात कही।

(ग) मार्शल आर्ट्स में जूडो, ताइक्वांडो, मुक्केबाजी, कुश्ती और तलवारबाजी आदि इवेंट्स शामिल हैं।

(घ) मास्टर रेज़े नवयुवक से पूछते थे—ब्लैक बेल्ट हासिल करने का क्या मतलब है?

कलम से

1. (क) मार्शल आर्ट्स का एक समान उद्देश्य खुद की या दूसरों की किसी शारीरिक खतरे से रक्षा करना है।

(ख) प्रथम बार मास्टर रेज़े द्वारा पूछने पर नवयुवक ने ब्लैक बेल्ट का अर्थ बताते हुए कहा—यह मेरे कठोर परिश्रम का इनाम है, मेरी यात्रा का अंत।

(ग) मास्टर रेज़े वास्तव में युवक में यह परखना चाहते थे कि उसमें आत्मनियंत्रण, दृढ़-संकल्प और एकाग्रता की विशेषता उत्पन्न हुई है या नहीं। वह परिस्थितियों के अनुरूप प्रतिक्रिया व्यक्त करता है अथवा नहीं।

(घ) नवयुवक ने अगले वर्ष आकर उत्तर दिया कि ब्लैक बेल्ट इस कला में सबसे बड़ी उपलब्धि पाने का प्रतीक है।

(ङ) नवयुवक ने जब मास्टर रेज़े के पूछने पर यह कहा-ब्लैक बेल्ट आरंभ है, एक कभी न खत्म होने वाली यात्रा का, जिसमें अनुशासन है, कठोर परिश्रम है और हमेशा सर्वोत्तम मापदंड छूने की लालसा है। युवक के इस उत्तर से मास्टर रेज़े संतुष्ट हो गए।

2. (क) (*iii*) (ख) (*ii*) (ग) (*iv*)

3. (क) प्रस्तुत पंक्ति का आशय यह है कि ब्लैक बेल्ट हासिल करना एक ऐसी यात्रा के समान है, जो कभी समाप्त नहीं होती। इस यात्रा में खिलाड़ी हमेशा अपने प्रदर्शन में सुधार करता रहता है, हमेशा कुछ नया सीखता है और समय के साथ अपने को और अधिक दक्ष तथा प्रवीण बनाता जाता है। साथ ही इससे खिलाड़ी की एकाग्रता, दृढ़ संकल्प तथा आत्मनियंत्रण में समय के साथ बढ़ोतरी होती जाती है। इससे खिलाड़ी खुद के बारे में भी कुछ-कुछ सीखता जाता है। इस यात्रा में हमेशा उच्चतर से उच्चतम मापदंड हासिल करने की संभावना बनी रहती है। इसलिए इसे कभी समाप्त न होने वाली यात्रा कहा जाता है।

(ख) प्रस्तुत पंक्ति का आशय यह है कि किसी भी क्षेत्र में उस क्षेत्र के उच्चतम मुकाम को हासिल कर लेना आसान है, जबकि उस मुकाम पर बने रहना काफी कठिन है, क्योंकि उस स्थान पर पहुँचने के लिए एक बार कठिन परिश्रम करना पड़ता है, जबकि उस स्थान पर बने रहने के लिए हमेशा मेहनत करते रहना पड़ता है अन्यथा उस स्थान से नीचे गिरने या किसी और के उस स्थान पर आ जाने का डर बन जाता है। इसी बात को शिखर पर पहुँचने तथा उस पर बने रहने के लिए किए गए मेहनत के द्वारा भी समझाया गया है। शिखर पर पहुँचने में एक बार मेहनत करना पड़ता है, जबकि उस स्थान पर बने रहने के लिए बराबर मेहनत करते रहना पड़ता है।

बात सोच की

- छात्र स्वयं करें।

बात भाषा की

1. (क) उत्तर (ख) असम्मान (ग) अन्याय (घ) घटिया
   (ङ) नरम (च) अनुपस्थित (छ) झूठी (ज) अस्वीकार
2. (ख) एकाग्र (ग) परिश्रमी (घ) संतुष्ट (ङ) आसान
   (च) विशेष (छ) नियंत्रित (ज) प्रतिष्ठित
3. (ख) परि (ग) सम् (घ) अनु (ङ) प्रति
   (च) उप (छ) स (ज) नि
4. (क) **संयुक्त वाक्य**–मास्टर रेज़े ने समारोह से पहले नवयुवक को बुलाया और उससे कुछ पूछा।
   मिश्र वाक्य–मास्टर रेज़े ने समारोह से पहले जिस नवयुवक को बुलाया, उससे कुछ पूछा।
   (ख) **सरल वाक्य**–नवयुवक अपना प्रयास जारी रखते हुए पुनः अगले वर्ष मास्टर रेज़े से मिला।
   संयुक्त वाक्य–नवयुवक ने अपना प्रयास जारी रखा और अगले वर्ष वह पुनः मास्टर रेज़े से मिला।
   मिश्र वाक्य–जिस नवयुवक ने अपना प्रयास जारी रखा, वह अगले वर्ष पुनः मास्टर रेज़े से मिला।
   (ग) **सरल वाक्य**–ब्लैक बेल्ट पाने के योग्य होने के कारण तुम इस सम्मान को ग्रहण करो।
   संयुक्त वाक्य– तुम ब्लैक बेल्ट पाने के योग्य हो और इस सम्मान को ग्रहण करों।
   मिश्र वाक्य–क्योंकि तुम ब्लैक बेल्ट पाने योग्य हो, इसलिए इस सम्मान को ग्रहण करो।
5. (क) मार्शल आर्टस् या लड़ाई की कलाएँ विधिबद्ध अभ्यास की प्रणाली और बचाव के लिए प्रशिक्षण की परंपराएँ हैं।
   (ख) आज कल यह खेल के रूप में परिवर्तित हो गया है।
   (ग) मार्शल के प्रशिक्षुओं का समय-समय पर आवधिक परीक्षण किया जाता है।
   (घ) अंक योजना के अंतर्गत शिक्षकों द्वारा ग्रेडिंग दी जाती है, ताकि वे उच्च स्तर की मान्यता प्राप्त उपलब्धि प्राप्त कर सके।
   (ङ) परीक्षण के मायने भिन्न-भिन्न पद्धतियों में अलग-अलग होते हैं।

रचनात्मक अभिव्यक्ति

- छात्र स्वयं करें।